शुक्रवार
1 ,मई , 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 87 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

अपने क्षेत्र की समस्याएं बेधड़क लिखे
आपकी समस्या... आपकी आवाज...
हम उठाएंगे, समाज और प्रशासन तक पहुंचाएंगे!
हमारा पता है संपादक अपना नालंदा
व्हाट्सएप 9031468165

राष्ट्रीय लोक अदालत में ट्रैफिक चालान सहित लंबित मामलों के त्वरित निपटारे पर फोकस

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहारशरीफ जिला न्यायालय परिसर स्थित विधिक सेवा सदन में वर्ष 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने की, जबकि संचालन प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार गौरव ने किया।

बैठक में प्रधान जिला जज गुरविंदर सिंह मल्होत्रा ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने न्यायालयों में लंबित सुलहनीय वादों की पहचान कर शीघ्र सूची तैयार करें। साथ ही संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजकर अधिक से अधिक मामलों को लोक अदालत में आपसी सहमति से निपटाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने प्री-सिटिंग स्तर पर निपटाए गए मामलों के अवार्ड की जानकारी ली और उसे जल्द तैयार करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर गरीब एवं जरूरतमंदों को सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान करना है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पक्षकार बिना समाधान के वापस न लौटे।

बैठक में सचिव राजेश कुमार गौरव ने जानकारी दी कि 9 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में इस बार ट्रैफिक चालानों का भी सेटलमेंट किया जाएगा, जिससे लोगों को जुर्माने और लंबित मामलों से राहत मिलेगी। इसके लिए विभिन्न विभागों, बैंकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बैठकें की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित हो सके।

ठनका गिरने से बिजली लाइन क्षतिग्रस्त, आपूर्ति ठप, विभाग को भारी नुकसान

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)। बुधवार को आए तेज आंधी-तूफान और ठनका गिरने की घटना ने क्षेत्र में व्यापक नुकसान पहुंचाया। इस प्राकृतिक आपदा से जहां आम लोगों की संपत्ति को क्षति हुई, वहीं सरकारी व्यवस्था भी प्रभावित हुई। कई जगहों पर गृह प्रवेश कार्यक्रमों में लगे टेंट उखड़ गए, शादी-ब्याह के समियाने बिखर गए और खेतों में लगी प्याज की फसल को भी भारी नुकसान हुआ।

सबसे अधिक प्रभाव बिजली आपूर्ति पर पड़ा। बिजली विभाग को करीब 75 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। विभाग में कार्यरत कर्मी जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि चेरन पावर सब स्टेशन से रेलवे कारखाना परिसर तक जाने वाली बिजली लाइन रेलवे ओवरब्रिज निर्माण स्थल के पास जॉइंट पर ठनका गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई।

उन्होंने बताया कि खराबी को दुरुस्त करने में काफी समय लगा, जिसके कारण कई घंटों तक इलाके में अंधेरा पसरा रहा। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि तेज तूफान के कारण नल-जल योजना भी प्रभावित हुई और टंकियों में पानी नहीं पहुंच सका। इससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे हालात में त्वरित मरम्मत और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनजीवन कम से कम प्रभावित हो सके।

बिहारशरीफ में खौफनाक डकैती, युवती को बंधक बनाकर बदमाशों ने लूटे जेवर नगद

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार थाना क्षेत्र के छज्जू मोहल्ला खाड़ी कुआं में बीती रात डकैती की सनसनीखेज घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे पीड़िता हीना परवीन अपने भाई शाहिद अली के साथ थाना पहुंचकर आवेदन दी। उन्होंने बताया कि 29/30 अप्रैल की रात करीब पांच से छह अपराधी ग्रिल काटकर और दरवाजा खुलवाकर घर में घुस आए। अपराधियों ने पिस्तौल के बल पर युवती के साथ मारपीट की और उसे बाथरूम में बंद कर दिया।

डकैतों ने सोने के झुमका, नाक का बेसर, चूड़ी, एक जोड़ी पायल समेत लगभग पच्चीस हजार रुपये नगद लूट लिए। साथ ही मोबाइल से सिम निकालकर उसे तोड़ दिया। अपराधियों के जाने के बाद एकवृद्ध महिला ने बाथरूम का दरवाजा खोलकर पीड़िता को बाहर निकाला। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से पीड़िता ने अपने भाई को सूचना दी और डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही बिहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कांड संख्या 233/26 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला और श्वान दस्ता टीम को भी बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में चार अपराधी घर से निकलते हुए सीसीटीवी में दिखे हैं। पुलिस आसपास के फुटेज खंगाल रही है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी का दावा कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

छह मई को सोलर मेला, मौके पर पंजीकरण और ऋण सुविधा

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 6 मई को सोलर लोन मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला जिला प्रशासन, विद्युत विभाग एवं विभिन्न बैंकों के संयुक्त तत्वावधान में शहीद हरदेव चौक (हॉस्पिटल मोड़) स्थित विद्युत कार्यालय परिसर में आयोजित होगा।

मेले का उद्देश्य उपभोक्ताओं को न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना, ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण की सुविधा देना तथा योजना से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। नालंदा जिले में पूर्व में प्राप्त 921 आवेदनों में से 314 आवेदन विभिन्न कारणों से बैंकों द्वारा अस्वीकृत कर दिए गए थे। ऐसे सभी आवेदकों से अपील की गई है कि वे मेले में पहुंचकर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पुनः ऋण स्वीकृति का प्रयास करें, बशर्ते उनका आवेदन लोन डिफॉल्ट के अलावा अन्य कारणों से निरस्त हुआ हो।

इसके अलावा, जो नए उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं, वे भी मौके पर पंजीकरण कराकर सस्ती दरों पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं। योजना के तहत 1 किलोवाट पर 30 हजार, 2 किलोवाट पर 60 हजार तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। साथ ही लगभग 5.5 प्रतिशत ब्याज दर पर दो लाख रुपये तक ऋण सुविधा उपलब्ध है।

सौर ऊर्जा अपनाने से बिजली बिल में कमी के साथ अतिरिक्त बिजली को नेट मीटरिंग के जरिए ग्रिड में भेजने का लाभ भी मिलेगा। यह जानकारी विद्युत अधीक्षण अभियंता मनीष कांत ने दी।

इंस्टाग्राम दोस्ती बनी साजिश, अपहरण कांड का पुलिस ने किया खुलासा

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पावापुरी थाना क्षेत्र में अपहरण की एक घटना का पुलिस ने महज छह घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए अपहृत युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया। बुधवार रात करीब 10 बजे थाना के सरकारी मोबाइल पर सूचना मिली कि चोरसुआ मोड़ के पास से 22 वर्षीय विक्रम कुमार का अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकर्ताओं द्वारा युवक के पिता से छह लाख रुपये की फिरौती भी मांगी जा रही थी।

सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की गई। तकनीकी अनुसंधान के तहत अपहरणकर्ताओं के मोबाइल का लोकेशन पंचाने नदी के पास मिला, जहां छापेमारी की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी दौरान अपराधी लगातार फोन कर परिजनों पर दबाव बना रहे थे।पुलिस ने रणनीति बनाकर परिजनों के माध्यम से अपराधियों को चिन्हित स्थान पर बुलाया। दबिश की भनक लगते ही अपहरणकर्ताओं ने विक्रम कुमार को पावापुरी फ्लाईओवर के पास छोड़ दिया और फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया।

पूछताछ में सामने आया कि युवक की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से संध्या कुमारी से हुई थी। संध्या कुमारी ने पूछताछ में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।विश्व बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आइडिया संस्था के सहयोग से छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बालश्रम बाल विवाह और बाल अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखा गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के भीतर सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय की अनेक छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी चित्रकला के माध्यम से बाल श्रम के दुष्परिणाम एवं शिक्षा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

आइडिया संस्था के प्रतिनिधियों ने छात्राओं को बाल श्रम एव बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

नालंदा के श्रम अधीक्षक अस्विनी कुमार एवं विद्यालय प्रबंधन ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को अस्विनी कुमार श्रम अधीक्षक नालन्दा के द्वारा पुरस्कृत किया गया । इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी भवेन्दु कुमार आइडिया से मन्टू कुमार गंगोत्री विनोद पांडे कस्तूरबा विद्यालय वार्डन आभा कुमारी सिन्हा विजय कुमार आदि मौजूद थे।

जनगणना को लेकर तैयारी तेज, प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों के बीच सामग्री का वितरण

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।प्रखंड कार्यालय परिसर में बृहस्पतिवार को भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण हेतु प्रतिनियुक्ति पर्यवेक्षक एवं प्रगणकों के बीच नियुक्ति पत्र एवं गणना संबंधित सामग्री का वितरण भी किया गया। इस दौरान कुल 47 पर्यवेक्षकों एवं 281 प्रगणकों को नियुक्ति पत्र, मार्गदर्शिका पुस्तिका, नक्शा निर्माण के लिए चार्ट पेपर, पहचान पत्र समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रदान किए गए। अधिकारियों ने सभी कर्मियों को उनके दायित्वों व कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।अधिकारियों ने जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी व त्रुटिरहित तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है।इसके जरिए सरकार को जनसंख्या, शिक्षा, रोजगार, आवास तथा सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़े सटीक आंकड़े प्राप्त होते हैं, जिनके आधार पर योजनाएं तैयार की जाती हैं।

उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों से अपील की कि वे आपसी समन्वय बनाकर ईमानदारी के साथ कार्य करें, ताकि सही और विश्वसनीय आंकड़े संकलित किए जा सकें।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि दो मई से 30 मई तक मकान सूचीकरण व मकान गणना का कार्य संचालित किया जाएगा।

अंत में अधिकारियों ने सभी कर्मियों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने व जनसहयोग के साथ अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया।

मौके पर शिवेंदु कुमार,शंकर कुमार, नवीन कुमार,संतोष कुमार राय, सुनील कुमार,भवेश सिंह, अनुज कुमार सिंह,रजनीश कुमार,ललित कुमार,राजीव रंजन कुमार,अखिलेश प्रसाद समेत अन्य मौजूद थे।

आवास योजनाओं में तेजी लाने हेतु बीडीओ ने की समीक्षा बैठक

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।स्थानीय प्रखंड मुख्यालय स्थित बीडीओ कक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. पंकज कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना को लेकर

आवास सहायकों के साथ बृहस्पतिवार को बैठक हुई ।इसमें योजना वर्ष है 2021-22,2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 आदि में लंबित आवासों गहन समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान कई लाभुकों की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गयी, उन्हें रेड जोन के रूप में चिन्हित करते हुए सभी मानकों में तेजी से सुधार लाने का निर्देश दिया गया।आवास योजनाओं के कार्यों को तेज गति से पूर्ण करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बीडीओ डॉ. कुमार ने बताया कि करिब चार हजार लाभुकों में से 276 लोगों ने आवास पूर्ण नहीं किया है।इसमें अभी तक 51 लोग प्रथम किस्त लेकर मकान बनाना शुरू नहीं किया है।तकरीबन 125 लोग दूसरे किस्त लेकर आवास को अटकाए हुए हैं। जबकि आवास बनाने के लिए उसे तीन अलग-अलग किस्तों में 40-40 हजार रुपए दी जाती है। उन्होंने एक माह में आवास सहायकों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्य में गुणवत्ता एवं उच्च पारदर्शिता बनाए रखते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति करने पर विशेष जोर दिया।

मौके पर प्रखंड आवास पर्यवेक्षक रविकर कुमार रवि भी उपस्थित रहे एवं कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक सुझाव दिया।

अंत में बीडीओ ने सभी संबंधित कर्मियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

नीट परीक्षा तैयारी बैठक में सिटी कोऑर्डिनेटर ने दिए सख्त निर्देश

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। तीन मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर गुरुवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, राजगीर में सिटी कोऑर्डिनेटर विवेक किशोर की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई। इसमें नालंदा जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के केंद्र अधीक्षक, उप केंद्र अधीक्षक, पर्यवेक्षक और संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। सिटी कोऑर्डिनेटर ने जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार परीक्षा को पारदर्शी, अनुशासित और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, निर्बाध बिजली आपूर्ति और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की बात कही गई। साथ ही परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से बचने के लिए सभी कर्मियों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के प्रवेश प्रबंधन, जांच प्रक्रिया, समय पालन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

अंत में सभी ने नीट परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

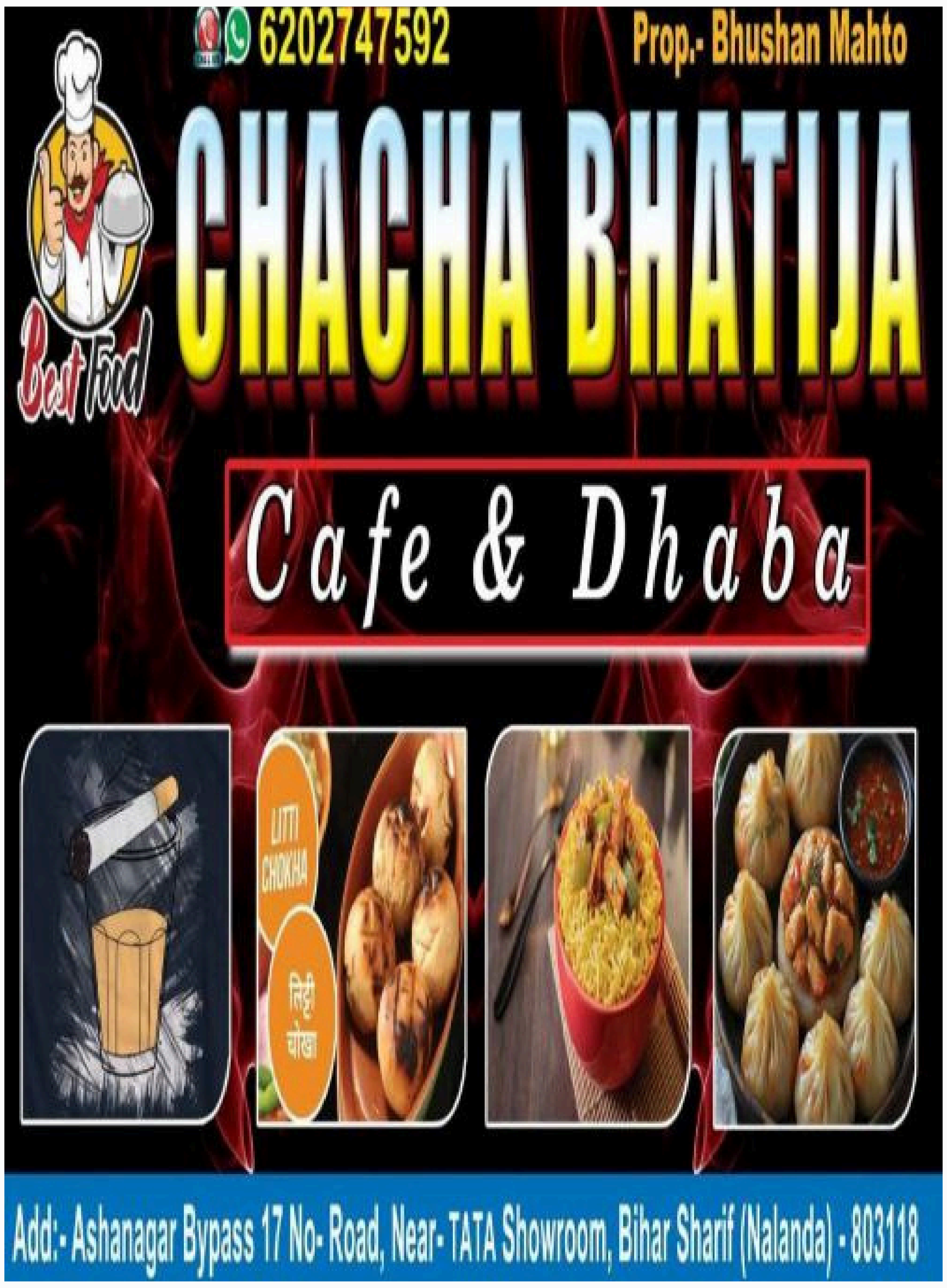

बेटियां हर क्षेत्र में बढ़ा रहीं कदम, राष्ट्र सेवा के लिए कैडेट्स तैयार

38 बिहार बटालियन के 10 दिवसीय एनसीसी कैंप का महाबोधि कॉलेज में हुआ समापन

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।महाबोधि नर्सिंग कॉलेज परिसर में आयोजित 38 बिहार बटालियन, बिहार शरीफ के 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-1 का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह को संबोधित करते हुए जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा कि एनसीसी का लक्ष्य कैडेटों को केवल सैन्य प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन, ज्ञान और सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूक बनाना भी है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार प्रशिक्षित एनसीसी कैडेटों को उनकी योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरियों में विशेष लाभ और प्राथमिकता दे रही है।

साढ़े पांच सौ कैडेटों ने लिया हिस्सा इस शिविर में नालंदा, पटना और नवादा जिले के 8 कॉलेजों व 24 स्कूलों के कुल 547 कैडेटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष बात यहरही कि इनमें 165 महिला कैडेट्स शामिल थीं। विधायक ने इसे महिला सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां अब हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं।

ड्रिल से लेकर सामाजिक सरोकार तक की मिली सीख 20 से 29 अप्रैल तक चले इस शिविर में कैडेटों को कड़ा प्रशिक्षण दिया गया। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश बहरी ने बताया कि शिविर के दौरान:

कैडेटों को ड्रिल, फायरिंग और शारीरिक प्रशिक्षण के साथ योग का विशेष अभ्यास कराया गया।

सरहद की हिफाजत और सैन्य कौशल की बारीकियों से अवगत कराया गया।समाज में व्याप्त दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

टीमवर्क और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतिभाशाली कैडेट्स हुए सम्मानित शिविर को सफल बनाने वाले प्रशिक्षकों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को मुख्य अतिथियों द्वारा अंग वस्त्र और 'नालंदा का प्रतीक चिन्ह' देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित सांसद व अन्य गणमान्य अतिथियों ने कैडेटों के अनुशासन की सराहना की और उन्हें देश का भविष्य बताया।

युवाओं के सर्वांगीण विकास पर जोर कमांडिंग अधिकारी कर्नल राजेश बहरी ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिएप्रेरित करने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य नेतृत्व क्षमता और शारीरिक दक्षता का विकास करना है।

इस अवसर पर सांसद कौशलेंद्र कुमार,सूबेदार मेजर ललिंद्र टिंगा, हेड क्लर्क उमाशंकर, राकेश, सीटीओ धनंजय कुमार देव, विकास कुमार, प्राचार्य अरविंद कुमार,ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार मेहता, सूबेदार मान सिंह ,सुवेदार विशाल पांडेय सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जहानाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस, आमजन को बताया लाभ

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जहानाबाद में महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस प्रेस वार्ता की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार एवं बृजेश कुमार ने संयुक्त रूप से की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आम जनता को सुलभ, त्वरित और किफायती न्याय प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। लोक अदालत के जरिए छोटे-छोटे मामलों का निपटारा एक ही दिन में, एक ही स्थान पर आपसी सहमति से किया जाता है, जिससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है।

इस लोक अदालत में सिविल, आपराधिक (समझौता योग्य), बैंक ऋण, बिजली बिल, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद सहित कई प्रकार के मामलों का समाधान किया जाएगा। इसमें किसी भी पक्ष को अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ता और निर्णय दोनों पक्षों की सहमति से लिया जाता है, जो अंतिम और बाध्यकारी होता है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत का लाभ उठाएं और अपने मामलों का त्वरित समाधान कराएं। साथ ही यह भी बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव होता है, जिससे सामाजिक संबंध भी बेहतर बने रहते हैं।प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सभी विभागों और आम नागरिकों का सहयोग आवश्यक है।

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर जहानाबाद में निकली जागरूकता रैली

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिले में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर गुरुवार को व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर श्रम अधीक्षक मृत्युंजय कुमार झा के नेतृत्व में कारगिल चौक से अरवल मोड़ तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज को संवेदनशील बनाना था।

अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाल श्रम न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय भी है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इसके खिलाफ आगे आकर आवाज उठानी चाहिए।

रैली में श्रम विभाग के सभी प्रवर्तन पदाधिकारी, कार्यालय कर्मी, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, श्रमिक संघ के सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने "भविष्य की संभावना को न तोड़े, बाल श्रम को नकारे" जैसे नारों के साथ लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि आगे भी ऐसे अभियान चलाकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाएगी और बाल श्रम के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

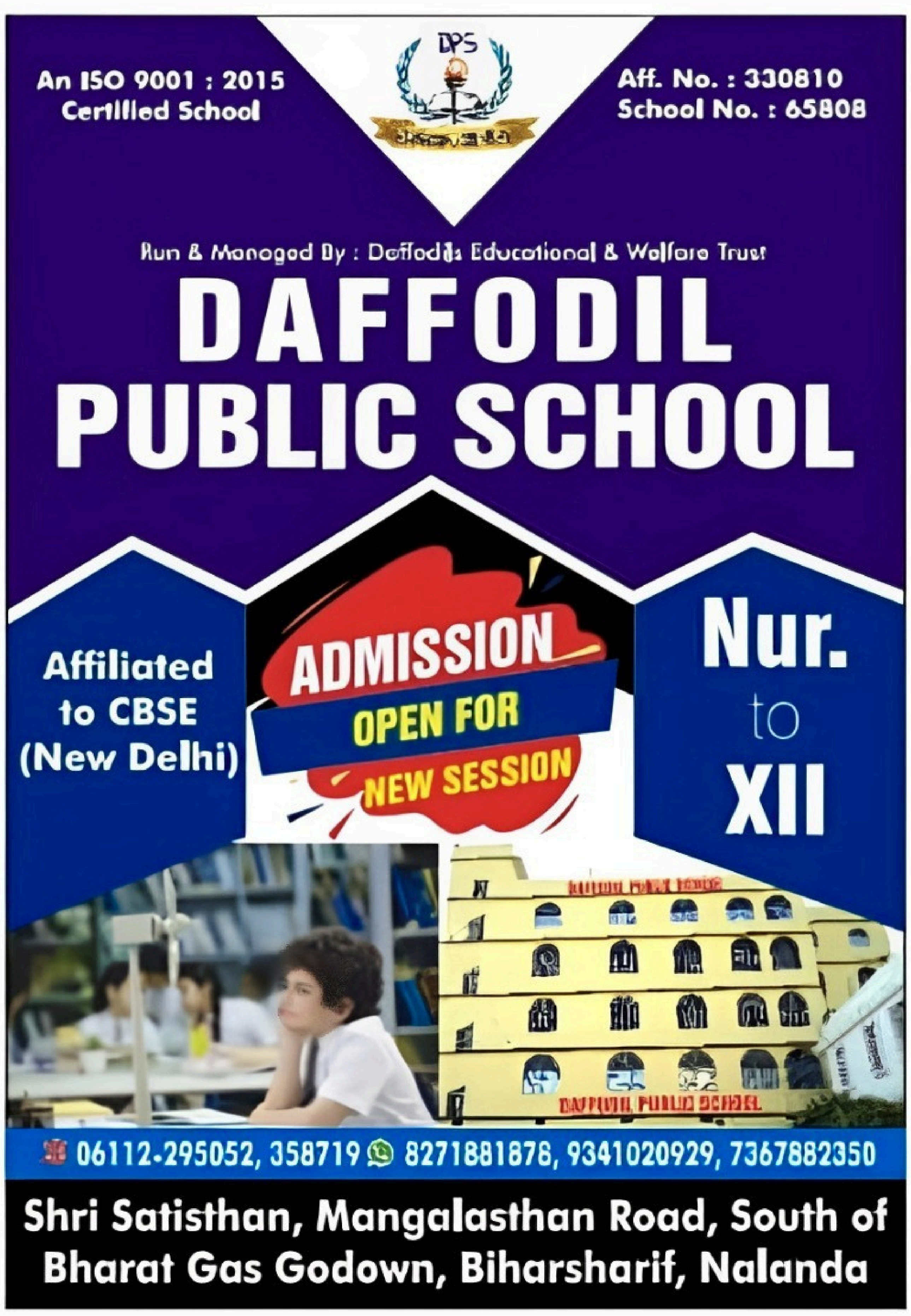

नूरसराय कांड में फरार अभियुक्त के खिलाफ कुर्की कार्रवाई, पुलिस की सख्ती

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। गुरुवार को न्यायालय के आदेश के आलोक में नालंदा जिले के नूरसराय थाना कांड संख्या 62/13 में फरार अभियुक्त के विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-2), बिहारशरीफ के नेतृत्व एवं उपस्थिति में विधिसम्मत तरीके से संपन्न कराई गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त मामला धारा 376, 498ए, 494 भारतीय दंड संहिता एवं 3/4 दहेज निषेध अधिनियम से संबंधित है। इस मामले में अभियुक्त राजेश कुमार, ग्राम मिर्दहाचक, थाना हरनौत, जिला नालंदा के विरुद्ध लंबे समय से फरार रहने के कारण न्यायालय द्वारा कुर्की-जब्ती का आदेश जारी किया गया था।

पुलिस टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत अभियुक्त के घर पहुंचकर संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई की। इस दौरान स्थानीय प्रशासन की

मौजूदगी में सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार अभियुक्तों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि कानून का भय बना रहे और पीड़ितों को न्याय मिल सके।

जहानाबाद जिला परिषद अध्यक्ष पद पर अभिषेक रंजन निर्विरोध चुने गए

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी डॉ० प्रीति (भा०प्र०से०) की अध्यक्षता में जिला परिषद अध्यक्ष पद का निर्वाचन राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराई गई।

इस दौरान अध्यक्ष पद के लिए केवल एक अभ्यर्थी अभिषेक रंजन, सदस्य जिला परिषद जहानाबाद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र-3, भाग-1 द्वारा नामांकन दाखिल किया गया। नामांकन पत्र की विधिवत संवीक्षा के बाद इसे वैध पाया गया। चूंकि कोई अन्य अभ्यर्थी मैदान में नहीं था, इसलिए अभिषेक रंजन को प्रपत्र-27 में अभिलेखित करते हुए निर्विरोध जिला परिषद अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान प्रेक्षक-सह-वरीय उप समाहर्ता अरवल गोविन्दा कुमार मिश्रा , जिला पंचायत राज पदाधिकारी सुजीत कुमार, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी काको गिरिजेश नन्दन, सहायक प्रशासी पदाधिकारी सुरेन्द्र चौधरी एवं सुशीला देवी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला परिषद सदस्य रतनी फरीदपुर भाग-2 की सुशीला देवी, जहानाबाद भाग-1 के अभिषेक रंजन, जहानाबाद भाग-2 की मिन्तु देवी, काको भाग-1 के अजित मिस्त्री, काको भाग-2 के सुधीर चौधरी, मखदुमपुर भाग-2 की संगिता देवी, मखदुमपुर भाग-3 की रेणु कुमारी, मोदनगंज की शांति देवी, घोषी भाग-1 के अजय सिंह, घोषी भाग-2 की संगीता देवी तथा हुलासगंज प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र-13 की कमला कुमारी मौजूद रहीं।

सभी उपस्थित सदस्यों ने निर्विरोध निर्वाचन पर अभिषेक रंजन को बधाई दी और जिले के विकास के लिए मिलकर कार्य करने की उम्मीद जताई।

संपादकीय

जे पी चौधरी

लोकतंत्र की रीढ़: न्यायपालिका के फैसलों से कायम जनविश्वास

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यह न केवल संविधान की संरक्षक है, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने वाली सर्वोच्च संस्था भी है। समय-समय पर न्यायपालिका ने ऐसे ऐतिहासिक फैसले दिए हैं, जिन्होंने न केवल कानून के शासन को मजबूत किया, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना को भी जीवंत बनाए रखा। यही कारण है कि आज भी जनता का विश्वास न्यायपालिका पर अटूट बना हुआ है।

न्यायपालिका का मुख्य दायित्व संविधान की रक्षा करना, कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना और सभी नागरिकों को समान न्याय प्रदान करना है। चाहे व्यक्ति गरीब हो या अमीर, अधिकारी हो या आम नागरिक—सभी के अधिकारों की सुरक्षा न्यायपालिका के माध्यम से ही संभव है। जब-जब कार्यपालिका या विधायिका ने अपनी सीमाओं का उल्लंघन किया है, तब-तब न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर संतुलन बनाए रखने का कार्य किया है।

हाल के वर्षों में कई ऐसे फैसले सामने आए हैं, जिन्होंने यह साबित किया है कि कानून के सामने सभी समान हैं। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग की एक अदालत द्वारा एक मंत्री को सजा सुनाया जाना इसका ताजा उदाहरण है। यह मामला 2019 का है, जब एक जनप्रतिनिधि ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के एक इंजीनियर के साथ सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार किया था। अदालत ने स्पष्ट कहा कि जनहित के मुद्दे उठाना एक बात है, लेकिन किसी सरकारी कर्मचारी का अपमान करना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यदि ऐसे कृत्यों पर रोक नहीं लगाई गई, तो सरकारी कर्मचारी स्वतंत्र और गरिमापूर्ण तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर पाएंगे। यह टिप्पणी केवल एक व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक वर्ग के लिए एक संदेश है। न्यायपालिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का दुरुपयोग किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है और कानून का पालन सभी के लिए अनिवार्य है।

आज के दौर में अक्सर देखा जा रहा है कि जनप्रतिनिधि अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए आक्रामक और असंयमित व्यवहार अपनाते हैं। वे जनता के बीच अपनी छवि मजबूत करने के लिए कभी-कभी ऐसे कदम उठा लेते हैं, जो न केवल कानून के खिलाफ होते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भी ठेस पहुंचाते हैं। कई बार यह भी देखा गया है कि जनप्रतिनिधि अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं की मजबूती पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि उन व्यक्तियों के आचरण पर भी निर्भर करती है, जो इन संस्थाओं का हिस्सा हैं। जनप्रतिनिधियों का व्यवहार जितना संयमित और जिम्मेदार होगा, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। दुर्भाग्यवश, आज के राजनीतिक परिदृश्य में शालीनता और मर्यादा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। संसद और विधानसभाओं में बहस का स्तर पहले की तुलना में काफी नीचे आ चुका है।

एक समय था जब नेताओं के भाषणों को सुनने के लिए लोग घंटों इंतजार करते थे। उनके शब्दों में गंभीरता और विचारों में गहराई होती थी। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। कई नेता अपनी भाषा और व्यवहार पर नियंत्रण खो चुके हैं, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

न्यायपालिका के फैसले न केवल कानून का पालन सुनिश्चित करते हैं, बल्कि समाज को एक दिशा भी देते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और हर व्यक्ति को अपने आचरण के लिए जवाबदेह होना होगा। न्यायपालिका की यही निष्पक्षता और दृढ़ता जनता के विश्वास को बनाए रखती है।

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा भी यह कहा गया है कि न्यायपालिका पर जनता का विश्वास बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

यह विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब न्यायालय अपने फैसलों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता बनाए रखें।

अंततः यह कहा जा सकता है कि न्यायपालिका लोकतंत्र की वह मजबूत नींव है, जिस पर पूरे शासन तंत्र की संरचना टिकी हुई है। इसके फैसले न केवल वर्तमान को दिशा देते हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखा जाए, ताकि देश में न्याय और समानता का वातावरण कायम रह सके।

बुद्ध जयंती: शांति, करुणा और मध्यम मार्ग का वैश्विक संदेश

महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक

लेखक : राकेश बिहारी शर्मा

बुद्ध जयंती, जिसे बुद्ध पूर्णिमा भी कहा जाता है, बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण की स्मृति में मनाया जाता है। वैशाख मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह दिवस आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि महात्मा बुद्ध के जीवन की तीनों प्रमुख घटनाएं—जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण—इसी दिन संपन्न हुई थीं। यही कारण है कि यह दिन बौद्ध अनुयायियों के लिए अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और साधना का अवसर होता है।

इस वर्ष बुद्ध जयंती 1 मई, शुक्रवार को मनाई जा रही है, जो महात्मा बुद्ध की 2588वीं जयंती के रूप में विशेष महत्व रखती है। इस दिन लोग ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा का पालन करते हुए शांति और सद्भाव का संदेश फैलाते हैं। बौद्ध विहारों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जहां बुद्ध के उपदेशों का पाठ और प्रवचन होता है।

महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के लुंबिनी में राजा शुद्धोधन और रानी महामाया के यहां हुआ था। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था। राजसी वैभव में पले-बढ़े सिद्धार्थ ने 29 वर्ष की आयु में जीवन के दुखों को देखकर संसार त्याग दिया और सत्य की खोज में निकल पड़े। छह वर्षों की कठोर तपस्या के बाद उन्हें बिहार के बोधगया में पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ, जिसके बाद वे 'बुद्ध' कहलाए।

ज्ञान प्राप्ति के बाद बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया, जिसे 'धर्मचक्र प्रवर्तन' कहा जाता है। उन्होंने अपने उपदेशों में मानव जीवन के दुखों के कारण और उनके समाधान के मार्ग को सरल और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया। उनके अनुसार दुखों का मूल कारण मनुष्य की इच्छाएं हैं, और इन इच्छाओं पर नियंत्रण पाकर ही निर्वाण की प्राप्ति संभव है।

महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का मूल आधार अहिंसा, करुणा, शांति और मध्यम मार्ग है। उन्होंने अति भोग और अति तपस्या दोनों को त्याग कर संतुलित जीवन जीने का संदेश दिया। उनका अष्टांगिक मार्ग—सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक प्रयास, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि—आज भी जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक सिद्धांत है।

आज के आधुनिक युग में, जहां मानवता मानसिक तनाव, हिंसा, उपभोक्तावाद और पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, बुद्ध के उपदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। ध्यान और विपश्यना जैसी साधनाएं मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आत्मिक विकास में सहायक सिद्ध हो रही हैं। बुद्ध का यह संदेश कि "आत्म दीपो भव"—अर्थात स्वयं अपने मार्गदर्शक बनो—आज के समय में आत्मनिर्भरता और आत्मचिंतन की प्रेरणा देता है।

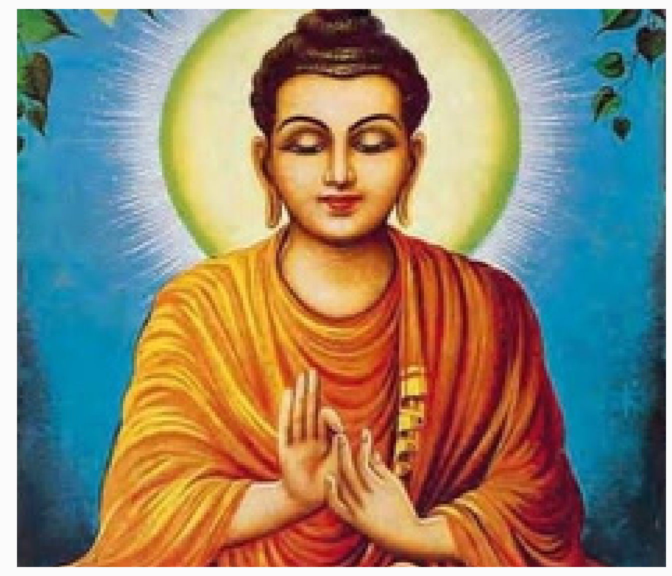

महात्मा बुद्ध ने जाति-पाति, कर्मकांड और अंधविश्वास का विरोध करते हुए समानता और मानवीय मूल्यों को महत्व दिया। उनका मानना था कि व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है, न कि जन्म से। यह विचार आज भी सामाजिक समरसता और समानता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बुद्ध के अनुसार इस संसार में सब कुछ परिवर्तनशील है। उन्होंने तीन सार्वभौमिक सत्यों का उल्लेख किया—अनित्यता (सब कुछ क्षणभंगुर है), दुःख (जीवन में दुःख है) और अनात्म (कोई स्थायी आत्मा नहीं है)। इन सिद्धांतों के माध्यम से उन्होंने जीवन के वास्तविक स्वरूप को समझाने का प्रयास किया।

महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण 483 ईसा पूर्व में कुशीनगर में हुआ। उनके जीवन की चार प्रमुख घटनाएं—जन्म, ज्ञान प्राप्ति, प्रथम उपदेश और महापरिनिर्वाण—मानव जीवन के चार महत्वपूर्ण पड़ावों को दर्शाती हैं।

बुद्ध और महावीर दोनों ही छठी शताब्दी ईसा पूर्व के महान आध्यात्मिक गुरु और समाज सुधारक थे। दोनों ने अहिंसा और नैतिकता पर जोर दिया, लेकिन उनके मार्गों में अंतर था। महावीर कठोर तपस्या और संयम पर बल देते थे, जबकि बुद्ध ने मध्यम मार्ग अपनाने की शिक्षा दी। बुद्ध ने कर्म को मानसिक अवस्था से जोड़ा, जबकि महावीर ने इसे भौतिक तत्व के रूप में देखा।

आज विश्व के कई देशों में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव है। चीन, थाईलैंड, श्रीलंका, भूटान, जापान, कोरिया और मंगोलिया जैसे देशों में बड़ी संख्या में लोग बुद्ध के सिद्धांतों का पालन करते हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लगभग 99 प्रतिशत बौद्ध आबादी निवास करती है।

बुद्ध जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें सिखाती है कि सच्ची खुशी बाहरी संसाधनों में नहीं, बल्कि हमारे भीतर निहित है। करुणा, प्रेम, अहिंसा और संतुलन के साथ जीवन जीना ही वास्तविक शांति का मार्ग है।

अंततः, महात्मा बुद्ध का यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारों वर्ष पहले था—"सत्य के मार्ग पर चलने में दो ही गलतियां हो सकती हैं, एक पूरा रास्ता तय न करना और दूसरी शुरुआत ही न करना।"

राजगीर मलमास मेले में फलाहारी बाबा का भव्य आध्यात्मिक शिविर आकर्षण का केंद्र बनेगा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। आगामी 17 मई से ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से परिपूर्ण मलमास मेला, जिसे पुरुषोत्तम मास मेला भी कहा जाता है, राजगीर में ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ होने जा रहा है। इस पावन अवसर पर देशभर से श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ेगा और पूरा राजगीर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आएगा। इस बार मेले का प्रमुख आकर्षण सिमरिया घाट (बेगूसराय) स्थित सर्वमंगला अध्यात्म योग विद्यापीठ सिद्धाश्रम दिव्य शक्तिपीठ माँ काली धाम के पीठाधीश्वर परम पूज्य स्वामी चिदात्मन जी महाराज, जिन्हें श्रद्धालु फलाहारी बाबा के नाम से जानते हैं, का दिव्य आध्यात्मिक शिविर होगा।

हर वर्ष की तरह इस बार भी फलाहारी बाबा का शिविर राजगीर के गढ़ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा। यह शिविर वर्षों से मलमास मेले की पहचान बन चुका है, जहां श्रद्धालु न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं, बल्कि आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ज्ञान की अनुभूति भी करते हैं। शिविर के सहयोगी शिवकुमार सिंह ने बताया कि आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और बाबा के शिष्य पूरी निष्ठा के साथ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में लगे हुए हैं।

शिविर स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशाल और सुव्यवस्थित पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसे बुनियादी इंतजामों को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन से भी समन्वय स्थापित किया गया है। आयोजकों का प्रयास है कि दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सहज वातावरण में आध्यात्मिक साधना कर सकें।इस आध्यात्मिक शिविर की विशेषता यह है कि यहां प्रतिदिन ज्ञान-मंच के माध्यम

से कथा-प्रवचन, भक्ति संकीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों के जरिए धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा नियमित रूप से भंडारा का आयोजन भी होगा, जिसमें दिन-रात बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।

शिवकुमार सिंह ने बताया कि यह शिविर केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना भी है। संतों और विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित यह शिविर लोककल्याण और राष्ट्रहित की भावना को मजबूत करेगा। फलाहारी बाबा के मार्गदर्शन में संचालित यह आयोजन लोगों को आध्यात्मिक रूप से जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी देगा।

राजगीर का मलमास मेला सदियों से आस्था और परंपरा का प्रतीक रहा है। ऐसे में फलाहारी बाबा का यह आध्यात्मिक शिविर मेले की गरिमा को और भी बढ़ाता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक अनुभूति का केंद्र बनेगा, जहां लोग अपने जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण लेकर लौटेंगे।

राजगीर नगर परिषद में बढ़ता सफाई बजट, लेकिन जमीनी हकीकत पर उठे गंभीर सवाल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर नगर परिषद की सफाई व्यवस्था इन दिनों सवालों के घेरे में है। एक ओर जहां सफाई मद में खर्च में भारी वृद्धि की गई है, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों, गलियों और नालियों में गंदगी की स्थिति जस की तस बनी हुई है। बढ़ते बजट और जमीनी हकीकत के बीच इस विरोधाभास ने वित्तीय अनियमितताओं की आशंका को जन्म दिया है। वार्ड पार्षदों और स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग जिला प्रशासन से की है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था पर होने वाले मासिक खर्च में भारी बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां इस मद में करीब 42 लाख रुपये प्रतिमाह खर्च किए जाते थे, वहीं अब यह राशि बढ़कर लगभग 72 लाख रुपये हो गई है। इसके बावजूद शहर में स्वच्छता के स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है। इससे यह सवाल उठने लगा है कि आखिर अतिरिक्त धनराशि का उपयोग कहां और कैसे किया जा रहा है।

सफाई कर्मचारियों ने भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें ईपीएफ जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जो उनके अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। इसके अलावा काम के दौरान जरूरी सुरक्षा उपकरण—जैसे जूते, दस्ताने और मास्क—भी उपलब्ध नहीं कराए जाते, जिससे उनके स्वास्थ्य पर खतरा बना रहता है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि कागजों में जहां 384 सफाई कर्मियों की तैनाती दिखाई जाती है, वहीं वास्तविकता में करीब 200 कर्मियों से ही काम लिया जा रहा है। इस अंतर ने बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े की आशंका को और मजबूत कर दिया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि यह पूरा मामला सुनियोजित वित्तीय गड़बड़ी की ओर इशारा करता है।

इसके अलावा आउटसोर्सिंग एजेंसी को दी जा रही सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पहले जहां एजेंसी खुद ट्रैक्टर और डीजल की व्यवस्था करती थी, अब यह जिम्मेदारी भी नगर परिषद द्वारा उठाई जा रही है। साथ ही सर्विस टैक्स का भुगतान भी परिषद के स्तर से किया जा रहा है, जो वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

वार्ड पार्षद डॉ. अनिल कुमार, अनीता सिन्हा, महेंद्र यादव और अजय यादव समेत कई जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए डीडीसी या नगर आयुक्त की अध्यक्षता में विशेष टीम गठित की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो भ्रष्टाचार और गहराएगा तथा शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपील की है। बरसात के मौसम को देखते हुए नागरिकों ने चिंता जताई है कि यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो जलजमाव और गंदगी की समस्या और विकराल रूप ले सकती है। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है।

राजगीर में आचार्य चन्दना श्री जी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

राजगीर (अपना नालंदा)। जैन धर्म की अग्रणी संस्था वीरायतन की संस्थापिका पद्मश्री आचार्य श्री चन्दना श्री जी महाराज को गुरुवार को वीरायतन जिनालय परिसर में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजनीतिक हस्तियों, साधु-साध्वियों, चिकित्सकों एवं समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर उनके अतुलनीय योगदान को याद किया और नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आचार्य श्री चन्दना जी का व्यक्तित्व अत्यंत प्रेरणादायी था। उन्होंने वीरायतन को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव सेवा के क्षेत्र में उनके कार्य अविस्मरणीय रहेंगे। वहीं नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि आचार्य श्री ने सेवा को धर्म से जोड़ते हुए जैन धर्म के मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, जिससे राजगीर समेत पूरे बिहार को नई पहचान मिली।

सभा में साध्वी संप्रज्ञा जी और साध्वी रोहिणी जी ने आचार्य श्री के जीवन दर्शन, त्याग और सेवा भाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर नेत्र ज्योति सेवा मंदिरम वीरायतन के पूर्व दंत चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. रजनी, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी से जुड़ी अनुपमा बहन एवं ज्योति बहन, प्रबंधक सुधीर कुमार उपाध्याय, अंजनी कुमार, मिथिलेश कुमार, समाजसेवी अनिता कुमारी गुप्ता, संजीव कुमार जैन, डॉ. रजनीश रंजन सहित जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर आचार्य श्री चन्दना जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

जिले में पेट्रोल-डीजल और गैस पर्याप्त, अफवाहों से बचें: डीएम नालंदा

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिले में पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कमी की खबरों के बीच जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने गुरुवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों और संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं।

आईओसीएल और बीपीसीएल के अधिकारियों ने बताया कि मांग के अनुरूप लगातार आपूर्ति की जा रही है। शादी के मौसम को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने अतिरिक्त 5 से 10 प्रतिशत स्टॉक बनाए रखने और किसी भी समस्या की स्थिति में त्वरित समन्वय कर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही आम लोगों से घबराहट या अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई।

एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा में बताया गया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8739 घरेलू सिलिंडर वितरित किए जा रहे हैं। बैकलॉग को घटाकर 3.4 तक लाया गया है, जिसे जल्द ही 3 से नीचे करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिले में PNG पाइपलाइन का विस्तार भी जारी है। बिहारशरीफ, सिलाव और राजगीर के कई वार्डों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है तथा अब तक 1819 उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया गया है। प्रशासन ने पाइपलाइन वाले क्षेत्रों में PNG कनेक्शन लेना अनिवार्य करने और संस्थानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है।

डीएम ने बताया कि किसी भी शिकायत के लिए कंट्रोल रूम (टोल फ्री नंबर 06112-233168) संचालित है। जमाखोरी या कालाबाजारी की सूचना मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जहानाबाद प्रेक्षण गृह बैठक में बच्चों के पुनर्वास और सुविधाओं पर जोर

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। व्यवहार न्यायालय परिसर में गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में प्रेक्षण गृह अनुश्रवण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में संचालित प्रेक्षण गृहों की व्यवस्था, बच्चों के पुनर्वास, देखभाल तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा करना था।

बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत प्रेक्षण गृहों के संचालन, बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला न्यायाधीश ने प्रेक्षण गृह में रह रहे विधि-विरोधी बालकों के लिए चिकित्सा सुविधा, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता, परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रेक्षण गृह केवल अस्थायी आश्रय नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास का केंद्र है, जहां बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी बच्चों को नियमित कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए और प्रत्येक बालक के लिए व्यक्तिगत पुनर्वास योजना तैयार कर उसका पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने तथा भोजन, वस्त्र और स्वच्छता के मानकों को बनाए रखने पर जोर दिया गया।

बैठक में यह भी तय हुआ कि समिति के सदस्य नियमित निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। अंत में सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित प्रयास करने का संकल्प लिया।

ओम प्रकाश गुप्ता के भाजपा में शामिल होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

पटना (अपना नालंदा)। बांका जिले के सक्रिय सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता ओम प्रकाश गुप्ता के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

उनके इस फैसले का विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और व्यवसायिक वर्गों से जुड़े गणमान्य लोगों ने स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

बधाई देने वालों में अंजनी गुप्ता, नरेश महतो, राजकुमार गुप्ता, शिवन शाह, रामनारायण मंडल, बृजेश मिश्रा, अजय दास, राहुल गुप्ता, रघुनाथ राजगढ़िया, गोविंद खंडेलवाल, मुकेश सिंह, रामानंद चौधरी, संजय सिंह और प्रसांता राय प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सभी ने एक स्वर में कहा कि ओम प्रकाश गुप्ता का भाजपा में शामिल होना क्षेत्र के लिए सकारात्मक और लाभकारी कदम है।

गणमान्य लोगों का मानना है कि उनके जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और बांका जिले के विकास कार्यों को गति प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि गुप्ता अपने अनुभव और मजबूत जनसंपर्क के जरिए पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएंगे।

इस बीच, स्थानीय समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें फोन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत मुलाकात के माध्यम से बधाई दी। पूरे क्षेत्र में उनके समर्थकों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ है।ओम प्रकाश गुप्ता ने सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए जनसेवा और क्षेत्रीय विकास के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।